ट्रैफिक से हारे वर्ल्ड टूर पर निकले विदेशी

- खस्ता हाल रोड ने पहुंचाया अस्पताल
- पर्यटन नगरी की यातायात व्यवस्था से तौबा
- डाक्टरों ने बताया एक माह का आराम

इमरजेंसी में इलाज को भर्ती सोन्या।

आगरा, जागरण प्रतिनिधिः 'सामने वाला वाहन चेहरे पर लाइट का फोकस कर देता है। पीछे वाला हार्न बजाता है। गाड़ी वाले साइकिल वाले का सम्मान नहीं करते।' पर्यटन नगरी की यातायात व्यवस्था पर विश्व भ्रमण को निकले नीदरलैंड के दंपति सोन्या और एल्ड्रिन का आगरा के ट्रैफिक पर यही अनुभव है। साइकिल से विश्व भ्रमण पर निकले नीदरलैंड के दंपति पर्यटन नगरी की यातायात व्यवस्था से पार नहीं पा सके। उनकी हालत खराब होने लगी। ऐसे में सोन्या को तो अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। यहां उन्हें चिकित्सकों ने एक महीने आराम की सलाह दी है।

नीदरलैंड के 43 वर्षीय सोन्या और एल्ड्रिन दंपति विश्व भ्रमण पर निकले थे। कई देशों की यात्रा करते हुए 13 सितंबर को पाकिस्तान होकर अमृतसर पहुंचे। इसके बाद दिक्कतों का सिलसिला शुरू हुआ। एक ओर खराब सड़कों की समस्या तो दूसरी ओर अव्यवस्थित यातायात। सड़क के किनारे चलने पर भी कार और बाइक पीछे लगाकर हार्न बजाकर और परेशान करने से बाज नहीं आते। इस सबसे जूझते हुए अमृतसर, चंडीगढ़, दिल्ली, जयपुर, पुष्कर (अजमेर) और बूंदी होकर सवाई माधोपुर पहुंचे। वहां से आगरा के लिए प्रस्थान किया। सोन्या के अनुसार सड़कों और ट्रैफिक ने उनकी हालत खराब कर दी। उसकी पीठ में दर्द शुरू हो गया, जिसके चलते उसे कार से यहां लाया गया। एल्ड्रिन के अनुसार ताज नगरी की ट्रैफिक व्यवस्था और खस्ता हाल सड़कों को देखकर उसे साइकिल को होटल में खड़ा करके रिक्शा करना पड़ा। उधर दंपति इस बात पर हैरान थे कि यहां लोगों की हैसियत गाड़ी से आंकी जाती है। कार और बाइक वाले साइकिल पर चलने वालों को सम्मान की दृष्टि से नहीं देखते। सोन्या ने बताया ठीक होने के बाद साइकिल से उनका अगला पड़ाव नेपाल, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, बैंकाक और जापान है।